कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कक्ष संरक्ष
प्रथम तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल
O/o Principal Chief Conservator of Forests, (Wing Prot ... radesh
First Floor, Satpura Bhawan, Bhopal Tel.: 0755-2674212 F
E-mail : apccfprot@mp.gov.in

...आर0शर्मा, भा.व.से.
...र प्रधान मुख्य वन संरक्षक
...रक्षण)मध्यप्रदेश ।

पत्र क्रमांक ....व.सु.क्ष/606........
भोपाल, दिनांक ....01/02/13........

पृ.क्रं.-	
पिछला	अगला

विषय :— वन क्षेत्रों में अतिक्रमण एवं अवैध कटाई ।

वन क्षेत्रों में अतिक्रमण एवं अवैध कटाई की घटनाओं को रोकने हेतु मेरे व्दारा एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्दारा पूर्व में कई बार निर्देश दिये जा चुके हैं , किन्तु इन निर्देशों के बाबजूद भी वन क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में अतिक्रमण एवं अवैध कटाई हो जाना चिन्ता का विषय है। अभी–अभी खण्डवा एवं झाबुआ वनमण्डल में अतिक्रमण करने के उद्देश्य से 3 से 5 हैक्टर क्षेत्र में कापिस ग्रोथ को काटा जाकर अतिक्रमण के प्रयास किये गये ।

अगर क्षेत्रीय अधिकारी /कर्मचारी वन क्षेत्रों का सघन भ्रमण करें एवं सचेत रहें तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता था एवं भविष्य में भी रोका जा सकता है। क्षेत्र में बड़े अतिक्रमण के प्रयासों का पता समय पूर्व न लग पाना आश्चर्यजनक है, क्योंकि बड़े क्षेत्र में कापिस को काटकर अतिक्रमण के प्रयास करने में काफी समय लगता है। इस संबंध में अगर आप यह कहें कि अधिक संख्या में व्यक्ति (100—200) एकदम एकत्रित होकर कम समय में यह कार्य किया है तो भी इतनी संख्या में लोगों का एक ही क्षेत्र में जमा होकर अवैध कटाई एवं अतिक्रमण के प्रयास किये जाना एक अति असामान्य घटना है जिसे वनों की सुरक्षा करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को तत्काल पता लगना चाहिये क्योंकि जागरुक वनकर्मी या नागरिक इस तरह के प्रकरणों की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को देते हैं । इस तरह की सूचना समय पर न मिलना भी आपके तंत्र की असफलता को दर्शाता है।

मेरे व्दारा ऐसे प्रकरणों में घोर अप्रसन्नता व्यक्त की जाती है एवं आप सभी को निर्देश दिये जाते हैं कि आप एवं आपके अधिनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी वन क्षेत्रों का सतत भ्रमण करें, गोपनीय तंत्र विकसित करें, रात्री गश्त

करें तथा वन अपराधों पर कड़ा नियंत्रण रखें ताकि अतिक्रमण एवं अवैध कटाई की घटनायें न हों। गश्ती हेतु आपको वाहन भी प्रदाय किये गये हैं । मेरा आप लोगों से विशेष अनुरोध है कि वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा हेतु कड़े से कड़े कदम उठाये जायें ताकि ऐसी घटनाओं पर नियंत्रण रखा जा सके ।

भवदीय,

(टी0आर0शर्मा)

प्रति

श्री .... भा व से

मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय)

.... वृत ....,

मध्यप्रदेश ।